विविध गतिविधियां

महिला विवि में संस्कृत सप्ताह का समापन

संस्कृत सप्ताह में तैयार किए चित्रों को देखते हुए अधिकारी • सौ. विश्वविद्यालय

वि ., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग और हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम संपन्न हो गए। समापन सत्र में मुख्य अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डा. सीडीएस कौशल ने शिरकत की। अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो. अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्षा प्रो. विभा अग्रवाल रही। संस्थान की प्राचार्य डा. वीना ने कहा कि आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है। मुख्य अतिथि डा. कौशल ने अपने संबोधन में संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए, ताकि विश्व व समाज में शांति कायम रह सके। उन्होंने छात्राओं को जीवन में कम से कम तीन भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें सुशिता ने प्रथम, सुमन ने दूसरा व रोमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विश्व में शांति कायम रहने के लिए संस्कृत का अध्ययन होना चाहिए अनिवार्य : डॉ. कौशल

भास्कर न्यूज | गोहाना

पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अतिथि।

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सीडीएस कौशल ने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए, ताकि विश्व व समाज में शांति कायम रह सके। उनके अनुसार संस्कृत में बोलचाल व्यक्तित्व विकास में सहायक है। वे बीपीएस के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के समापन पर छात्राओं को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. सीडीएस कौशल ने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं को जीवन में कम से कम तीन भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा महिला विवि के डीन आर्ट एंड लैंग्वेज प्रो. अशोक वर्मा ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा के बगैर संभव नहीं है। अपनी जिज्ञासा बनाए रखें और अपने अंदर के विद्यार्थी को मरने न दें। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी जड़ों से न कटें। वहीं कुरुक्षेत्र विवि के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विभा अग्रवाल ने कहा कि संस्कृत साहित्य रचना में महिलाओं के योगदान को कम नहीं समझना चाहिए। संस्कृत साहित्य में सशक्त योगदान देने वाली महिला साहित्यकारों का उल्लेख भी किया। उन्होंने छात्राओं को आम बोलचाल में प्रचलित विदेशी शब्दों के लिए संस्कृत में प्रयोग होने वाले शब्दों की जानकारी भी दी। इस समारोह में पोस्टर मेकिंग व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता भी कराई गईं। पोस्टर मेकिंग में सुशिता प्रथम, सुमन द्वितीय व रोमी तृतीय रहीं। महक व सपना को सांत्वना पुरस्कार मिला। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में अनु प्रथम, नेहा द्वितीय व पावनी तृतीय रही और सोनिया व विनीता को सांत्वना पुरस्कार मिला। छात्राओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अतिथियों ने अवलोकन भी किया। इस मौके कार्यक्रम संयोजिका डॉ. श्रीलेखा चौबे, आईएचएल की प्राचार्य डॉ. वीना, अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. गीता फोगाट, कन्या गुरुकुल की प्राचार्य सुमिता सिंह, कार्यक्रम सह-संयोजिका प्रीति धनखड़ आदि मौजूद रहे।

व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

मुख्य अतिथि डॉ. सी.डी.एस. कौशल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए प्रो. अशोक वर्मा।

गोहाना, 13 अगस्त (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह आज संपन्न हो गया। जिसकी अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा द्वारा की गई। बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सी.डी.एस. कौशल ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्षा प्रो विभा अग्रवाल रही। इस अवसर पर 'आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। समापन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मुख्य अतिथि डॉ सी.डी.एस. कौशल ने अपने संबोधन में संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। डॉ. कौशल ने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अशोक वर्मा ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा के बगैर संभव नहीं है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी जड़ों से न कटें। मुख्य वक्ता प्रो. विभा अग्रवाल ने अपने संबोधन में संस्कृत साहित्य के काल विभाजन की जानकारी दी। प्रो. विभा अग्रवाल ने संस्कृत साहित्य में सशक्त योगदान देने वाली महिला साहित्यकारों का उल्लेख भी किया। इस तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा दूसरे दिन श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पोस्टर मेकिंग में सुशिता ने प्रथम, सुमन ने दूसरा व रोमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा महक व सपना को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं, श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में अनु ने प्रथम, नेहा ने दूसरा व पावनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा सोनिया व विनीता को सांत्वना पुरस्कार मिला।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
14-Aug-2024
Page: 15
http://www.ajitsamachar.com/20240814/27/15/1_1.cms

रैगिंग एक गंभीर अपराध : डॉ. अनु बल्हारा

गोहाना, 13 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ. पूनम पुनिया की अध्यक्षता में किया जिसमें डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है। सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी और खुशहाल वातावरण प्रदान करने की बात कही। डॉ. सुमन ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ पूनम पुनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
14-Aug-2024
Page: 15
http://www.ajitsamachar.com/20240814/27/15/1_1.cms

Hindi News

भारतीय संदर्भ में विद्वता का मानदंड हो संस्कृत भाषाः डॉ सी.डी.एस. कौशल

'आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित।

Girish Saini · Aug 13, 2024 10:39

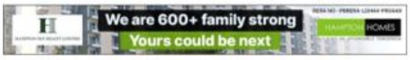

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह मंगलवार को संपन्न हो गया।

समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ सी.डी.एस. कौशल ने शिरकत की। समापन सत्र की अध्यक्षता डीन आर्ट एंड ह्यूमैनिटीज प्रो अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो विभा अग्रवाल उपस्थित रहीं। प्रारंभ में आई.एच.एल. की प्राचार्य डॉ मीना ने स्वागत संबोधन किया। इस दौरान 'आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। समापन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

मुख्य अतिथि डॉ सी.डी.एस. कौशल ने अपने संबोधन में संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए, ताकि विश्व व समाज में शांति कायम रह सके। उन्होंने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को जीवन में कम से कम तीन भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो अशोक वर्मा ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा के बगैर संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी जिज्ञासा बनाए रखें और अपने अंदर के विद्यार्थी को मरने ना दें। उन्होंने साहित्य को भाषाओं के बंधन से परे बताया। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी जड़ों से न कटें।

मुख्य वक्ता प्रो विभा अग्रवाल ने अपने संबोधन में संस्कृत साहित्य के काल विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य रचना में महिलाओं के योगदान को कम नहीं समझना चाहिए। उन्होंने संस्कृत साहित्य में सशक्त योगदान देने वाली महिला साहित्यकारों का उल्लेख भी किया। उन्होंने छात्राओं को आम बोलचाल में प्रचलित विदेशी शब्दों के लिए संस्कृत में प्रयुक्त होने वाले शब्दों की जानकारी भी दी।

इस तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिंग तथा दूसरे दिन श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पोस्टर मेकिंग में सुष्मिता ने प्रथम, सुमन ने दूसरा व टीनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा महक व तमन्ना को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं, श्लोकोच्चारण में अनु ने प्रथम, नेहा ने दूसरा व पावनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा सोनिया व विनीता को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम संयोजिका डॉ शैलेजा चौबे ने मंच संचालन किया।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों ने छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ गीता फोगाट, कन्या गुरुकुल की प्राचार्य सुनिता सिंह, कार्यक्रम सह-संयोजिका प्रीति धनखड़ सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

Tags: Sanskrit language | standard of scholarship | Indian context

‹ PREVIOUS ARTICLE
पुलिस लाइन से 14 अगस्त को निकाली जायेगी तिरंगा यात्राः एडीसी वैशाली सिंह

NEXT ARTICLE ›
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश वासियों को दी 3400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं...

RELATED POSTS

एनसीसी कैडेट्स ने देश व समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ...

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया

छात्राओं ने खांपरा में निकाली तिरंगा यात्रा

COMMENTS

Name | Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

IANS interview: Harbhajan Singh talks Budget, cricket,...

IANS interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechInFormation

Terms & Conditions | Privacy Policy

Hindi News

बीपीएसएमवी: शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

IANS Aug 13, 2024 10:45

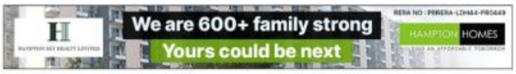

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग की डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी और खुशहाल वातावरण देने की बात कही।

डॉ सुमन ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ पूनम पुनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। इस दौरान छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। डॉ पूनम ने युवा केंद्र और हेल्पलाइन नंबर व ईमेल आईडी की जानकारी भी दी। आभार प्रदर्शन निधि ने किया।

इस दौरान स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में स्नेह ने प्रथम, प्रिया ने दूसरा तथा किरण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में यशवंत ने प्रथम, रजनी देवी ने दूसरा एवं मनीषा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान डॉ सुमन दलाल, डॉ प्रिया ढींगड़ा, डॉ सरला, डॉ मोनिका, डॉ सुनीत, डॉ पूनम सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

Tags: BPSMV | Anti-ragging awareness programme | Education Department

< PREVIOUS ARTICLE
वीर शहीदों के बलिदान को याद किया

NEXT ARTICLE >
गुजवि में हर घर तिरंगा रैली निकाली

RELATED POSTS

एनसीसी कैडेट्स ने देश व समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ...

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया

छात्राओं ने सांपला में निकाली तिरंगा यात्रा

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

Shop for Newspaper

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS Interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS Interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

IANS Interview: Harbhajan Singh talks Budget, cricket,...

IANS Interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

रैगिंग गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन : डॉ. अनु बल्हारा

गोहाना मुद्रिका, 13 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में मंगलवार को एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी और खुशहाल वातावरण प्रदान करने की बात कही।

डॉ सुमन और एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ पूनम पूनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई। डॉ पूनम ने यू.जी.सी. द्वारा चलाई गई इस मुहिम के अंतर्गत युवा केंद्र और हेल्पलाइन नंबर व ईमेल आई.डी. की जानकारी भी दी।

स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में स्नेह ने प्रथम, प्रिया ने दूसरा तथा किरण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में यशवंत ने प्रथम, रजनी देवी ने दूसरा एवं मनीषा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बीपीएसएमवी : शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग की डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी और खुशहाल वातावरण देने की बात कही। डॉ सुमन ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ पूनम पुनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। इस दौरान छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। डॉ पूनम ने युवा केंद्र और हेल्पलाइन नंबर व ईमेल आईडी की जानकारी भी दी। आभार प्रदर्शन निधि ने किया।

आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान विषय पर व्याख्यान आयोजित

भारतीय संदर्भ में विद्वता का मानदंड हो संस्कृत भाषाः डॉ सी.डी.एस. कौशल

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह मंगलवार को संपन्न हो गया। समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ सी.डी.एस. कौशल ने शिरकत की। समापन सत्र की अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्षा प्रो विभा अग्रवाल उपस्थित रही। प्रारंभ में आई.एच.एल. की प्राचार्या डॉ वीना ने स्वागत संबोधन किया। इस दौरान %आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान% विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। समापन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

मुख्य अतिथि डॉ सी.डी.एस. कौशल ने अपने संबोधन में संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए, ताकि विश्व व समाज में शांति कायम रह सके। उन्होंने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को जीवन में कम से कम तीन भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता प्रो विभा अग्रवाल ने अपने संबोधन में संस्कृत साहित्य के काल विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य रचना में महिलाओं के योगदान को कम नहीं समझना चाहिए। इस तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिंग तथा दूसरे दिन श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय में छात्राओं ने बनाए एंटी रैगिंग पर पोस्टर

एंटी रैगिंग पर बनाए पोस्टर दिखाते हुए छात्राएं ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना: भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एंटी रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्राओं ने एंटी रैगिंग पर पोस्टर बनाए। डीन एवं विभागाध्यक्ष डा. अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हास्टल में प्रेरणादायी वातावरण प्रदान करने को कहा। समन्वयक डा. पूनम पुनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। डा. पूनिया ने यूजीसी द्वारा चलाई गई इस मुहिम के अंतर्गत युवा केंद्र, हेल्पलाइन नंबर व ई-मेल आइडी की जानकारी भी दी। स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग में स्नेह ने प्रथम, प्रिया ने दूसरा व किरण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन में यशवंत ने प्रथम, रजनी देवी ने दूसरा एवं मनीषा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डा. सुमन, निधि, डा. समन दलाल मौजूद रहीं।

रैगिंग एक अपराध, जो लोगों की गरिमा और अधिकारों का करता है उल्लंघन

एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम के दौरान शिक्षक व छात्राएं।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में डीन एवं शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है, जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। इससे सभी को बचना चाहिए। उन्होंने महिला विवि की सीनियर छात्राओं से नवागंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी व खुशहाल वातावरण प्रदान करने का आह्वान किया। वे मंगलवार को विभाग परिसर में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित कर रही थी। वहीं एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ. पूनम पुनिया ने छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई। छात्राओं को यूजीसी द्वारा चलाई गई मुहिम के अंतर्गत युवा केंद्र, हेल्पलाइन नंबर समेत अन्य जानकारी भी दी गई। इसके बाद स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई। पोस्टर मेकिंग में स्नेह ने प्रथम, प्रिया ने द्वितीय व किरण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन में यशवंत ने प्रथम, रजनी देवी ने द्वितीय व मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ. सुमन, निधि, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. प्रिया धींगड़ा, डॉ. सरला, डॉ. मोनिका, डॉ. सुशील, डॉ. पूनम आदि मौजूद रहे।

आयोजन | संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित संस्कृत समारोह संपन्न

सांस्कृतिक समारोह में किया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सीडीएस कौशल ने शिरकत की। समापन सत्र की अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विभा अग्रवाल उपस्थित रही।

बीपीएस महिला विवि में संस्कृत समारोह के समापन सत्र पर पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि व अन्य। स्रोतः प्रवक्ता

तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा दूसरे दिन श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसके विजेताओं को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पोस्टर बनाओ स्पर्धा में सुशिता ने प्रथम, सुमन ने दूसरा व रोमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा महक व सपना को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं, श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में अनु ने प्रथम, नेहा ने दूसरा व पावनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा सोनिया व विनीता को सांत्वना पुरस्कार मिला। अतिथियों ने छात्राओं की ओर से बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. गीता फोगाट, कन्या गुरुकुल की प्राचार्य सुमिता सिंह मौजूद रहीं।